

28/11/24

पतावली पेश हुई। कसब वसि अथवा
वसि की ओर से कोई आविष्ट नहीं
है। बार-बार आविष्ट लगाई गई। वाकजूद
आवाज के भी कोई आविष्ट नहीं आया है।
अतः वसि का वाकफा ऊपर पेशी अहम हजारी
में खासियत किया जाय है। पतावली प्रिंसल
मुद्दार होकर संभर से कम है।

